राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (एन.एच.आई.एस)

चंडीगढ़, 17 मार्च 2026: भारत सरकार समय-समय पर व्यक्तियों, परिवारों और प्रतिष्ठानों के मालिकों से जानकारी एकत्र करती है। इस प्रकार एकत्र किए गए डेटा का उपयोग राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर योजना और नीति निर्माण के लिए किया जाता है, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एनएसओ का फील्ड ऑपरेशन डिवीजन भारत सरकार के तहत सबसे बड़ा डेटा संग्रह निकाय है और सत्तर से अधिक वर्षों से राज्य सरकारों के साथ मिलकर डेटा संग्रह में लगा हुआ है।

अपने अगले दौर (अप्रैल 2026 से मार्च 2026) के दौरान, एनएसओ 'राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण' पर चयनित परिवारों से डेटा एकत्र करेगा। (एन.एच.आई.एस) लोगों की जीवन स्थितियों और आय के पैटर्न के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। आर्थिक विश्लेषकों और नीति निर्माताओं ने आय वितरण पर जानकारी संकलित करने के तीन मुख्य उद्देश्य बताए हैं। पहला उद्देश्य यह समझने की इच्छा से प्रेरित है कि आय वितरण का पैटर्न आर्थिक गतिविधि के पैटर्न, श्रम, पूंजी और भूमि पर प्रतिफल और समाजों के संगठन के तरीके से कैसे संबंधित हो सकता है। दूसरा उद्देश्य नीति निर्माताओं की इस चिंता को दर्शाता है कि विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों पर सार्वभौमिक और सामाजिक रूप से लक्षित कार्यों की आवश्यकता का निर्धारण किया जाए और उनके प्रभाव का आकलन किया जाए। तीसरा उद्देश्य इस बात में रुचि है कि आय वितरण के विभिन्न पैटर्न घरेलू कल्याण और लोगों की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं को प्राप्त करने की क्षमता को कैसे प्रभावित करते हैं। घरेलू आय सर्वेक्षण में एकत्रित जानकारी का उपयोग मुख्य रूप से यह जानने के लिए किया जाएगा कि आय का वितरण जनसंख्या के विभिन्न वर्गों और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कैसे होता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा प्रणाली (एनएचआईएस) से प्राप्त आय के अनुमानों से संबंधित आंकड़े, व्यक्तिगत आय की तुलना करने और आय सृजन के स्रोतों और पैटर्न का विश्लेषण करने में सहायक होंगे।

यह सर्वे पूरे इंडियन यूनियन को कवर करेगा, सिवाय अंडमान और निकोबार आइलैंड के कुछ गांवों के, जहां पूरे साल पहुंचा नहीं जा सकता।

श्री दीपक मैहरा, उप महानिदेशक, एनएसओ, चंडीगढ़ ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने विश्वसनीय और सटीक डेटा एकत्र करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि फील्ड स्टाफ द्वारा एकत्र किए गए विश्वसनीय डेटा से विकास, योजना और नीति निर्माण में मदद मिलेगी।

****